

द्रुतोच्चारिता स्त्री. (तत्.) मनो. एक प्रकार का मानसिक रोग जिसमें रोगी जल्दी-जल्दी और अस्पष्ट बोलता है तथा बीच-बीच के शब्द छूटे होते हैं।

द्रुपदात्मज पुं. (तत्.) 1. द्रुपद का पुत्र (धृष्टद्युम्न) शिखंडी आदि विनो. द्रुपद की पुत्री, द्रौपदी।

द्रुम पुं. (तत्.) 1. वृक्ष 2. पेड़ 2. पारिजात वृक्ष 3. कुबेर, द्रुम-दंड पुं. वृक्ष का तना।

द्रुमविज्ञ पुं. (तत्.) वह वनस्पतिवेत्ता जो वृक्षों का अध्ययन करता है, द्रुमविज्ञानवेत्ता।

द्रुमविज्ञान पुं. (तत्.) वन. वनस्पतिविज्ञान की वह शाखा जिसमें वृक्षों का अध्ययन किया जाता है, वृक्षविज्ञान।

द्रुमारि पुं. (तत्.) 1. वृक्षों का शत्रु 2. हाथी।

द्रुमालय पुं. (तत्.) वन, जंगल।

द्रुमाली स्त्री. (तत्.) 1. वृक्षों की पंक्ति जैसे- फूलों से लदी द्रुमाली 2. वृक्षों का समूह।

द्रुमाश्रय वि. (तत्.) वृक्षों पर रहने वाला पुं. गिरगिट।

द्रेष्काण स.वि. (तत्.) ज्यो. आकाशमंडल में प्रत्येक राशि के 10° के 36 अंशों में से प्रत्येक, राशि का तृतीय भाग जैसे- इस समय सूर्य मेष के द्वितीय द्रेष्काण में है।

द्रोण पुं. (तत्.) 1. लकड़ी का एक बड़ा पात्र, कठौता 2. जल से भरा बादल 3. वृक्ष 4. एक प्राचीन तोल/माप जो चार प्रस्थ/आढक या 16 सेर के तुल्य होती थी।

द्रोणकाक पुं. (तत्.) जंगली कौआ।

द्रोणाचल पुं. (तत्.) एक पर्वत जो हिमालय का एक भाग है, द्रोणगिरि, दूनागिरि।

द्रोणिका स्त्री. (तत्.) नील का पौधा भू.वि. दो पर्वतों के बीच की भूमि, द्रोणी, दून।

द्रोणी स्त्री. (तत्.) 1. जल रखने का एक पात्र, कठौता 2. स्त्री. छोटी नाव, डोंगी 3. पत्तों का छोटा दोना, दोनिया 4. लकड़ी की प्याली 5. दो पर्वतों के बीच की भूमि, दून 6. दो पर्वतों के बीच का संकीर्ण मार्ग, दर्रा 7. नील का पौधा 8. नाँद 9. 128 सेर की एक प्राचीन तोल/माप

10. केला भूवि. 1. भूपटल में तश्तरी जैसा गर्त जो तली के धँसने से बना होता है 2. किसी बड़ी नदी और उसकी सहायक नदियों का अपवाह क्षेत्र।

द्रोन पुं. (तद्.) द्रोण।

द्रोनाचल पुं. (तद्.) द्रोणाचल।

द्रोह पुं. (तत्.) 1. प्रतिहिंसा का भाव 2. द्वेष 3. विश्वासघात 4. विद्रोह।

द्रोही वि. (तद्.) द्रोह करने वाला, द्रोह में तत्पर पुं. शत्रु, वैरी।

द्रौणायन/दौणायनि/द्रौणि पुं. (तत्.) आचार्य द्रोण का पुत्र, अश्वत्थामा।

द्रौपद वि. (तत्.) राजा द्रुपद संबंधी, द्रुपद का; पुं. द्रुपद का पुत्र (धृष्टद्युम्न आदि)।

द्रौपदी स्त्री. (तत्.) महाभारतकालीन पंचाल देश के राजा द्रुपद की पुत्री, अर्जुन की पत्नी द्रौपदी मुहा. द्रौपदी का चीर- जो लंबाई में बहुत अधिक हो, कभी न समाप्त होने वाला कार्य आदि, ऐसा क्रम जो कभी समाप्त न होता दिखे; द्रौपदी की पत्नीली- ऐसा भंडार जिसमें से भोजन या खाद्य सामग्री को कितना भी लिया जाए, फिर भी वह समाप्त न हो।

द्रौपदेय पुं. (तत्.) द्रौपदी का पुत्र।

द्वंगी वि. (तद्.) 1. दो अंगों वाला, दो अणुओं वाला 2. दो अणुओं की मात्रा के तुल्य मात्रा वाला; पुं. 1. दो अणुओं के संयोग से उत्पन्न 2. दो अणुओं की मात्रा या उसके तुल्य मात्रा।

द्वंद पुं. दे. (तद्.) द्वन्द्व।

द्वंद्व पुं. (तत्.) 1. दो वस्तुओं का जोड़ा, युगल 2. दो परस्पर विराधी वस्तुओं/भावों का जोड़ा 3. संघर्ष टकराव, टक्कर 4. उत्पात, उपद्रव 5. कलह, झगड़ा, 6. उलझन, झंझट।

द्वंद्वचर वि. (तत्.) युगल रूप में या जोड़े से रहने वाला (पशु-पक्षी) जैसे- चकवा पक्षी और सारस पक्षी।

द्वंद्वज वि. (तत्.) किसी द्वंद्व से उत्पन्न जैसे- वात और पित्त के द्वंद्वज रोग।

द्वंद्वजुद्ध पुं. (तद्.) द्वंद्व-युद्ध।